letter2:letter1.qxd 9/26/2010 8:41 PM Page 103

नानाजी की पाती युवाओं के नाम

युवा वर्ग पर नानाजी को बहुत भरोसा था उनका मानना था कि देश के युगानुकूल व समयानुकूल पुनरोत्थान की वाहक सिर्फ युवा पीढ़ी ही हो सकती है। अपने जीवनकाल के अंतिम पांच वर्षों में नानाजी ने बार-बार, अलग-अलग विषयों पर युवाओं का आह्वान किया, आओ बदलाव के वाहक बनो!